खबर संक्षेप

लूट की दो वारदातों का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। कोतवाली पुलिस ने लूटपाट की दो अलग-अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए जोगीडीपा क्षेत्र के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सन्नी उर्फ प्रकाश कुमार सारथी और शाहीद सारथी के रूप में हुई है। दोनों ने 10 जून की रात शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर लूटपाट की वारदातों को अंजाम दिया था। पहली घटना में चांदमारी निवासी किशन साहू अपने मित्र के साथ बाइक से मधुबनपारा जा रहा था। जोगीडीपा स्थित गंगाराम तालाब के पास आरोपियों ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की, जेब से नकदी निकाल ली और विरोध करने पर मारपीट की। इस दौरान एक आरोपी ने चाकू से हमला कर मोटरसाइकिल लूट ली और फरार हो गया। वहीं दूसरी घटना में इंदिरानगर निवासी अभिषेक नागराज रात में घर लौट रहा था। घर के पास गली में दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से पहुंचे और चाकू दिखाकर पैसे मांगने लगे। पैसे नहीं मिलने पर उन्होंने युवक के साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जोगीडीपा में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों वारदातों को स्वीकार कर लिया। उनके मेमोरेंडम के आधार पर लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त लोहे का चाकू बरामद किया गया।

शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण, गिरफ्तार

रायगढ़। पूंजीपथरा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ क्षेत्र की 22 वर्षीय युवती ने थाना पूंजीपथरा में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पहचान वर्ष 2025 में इंस्टाग्राम के माध्यम से सागर सारथी से हुई थी। आरोपी ने स्वयं को अविवाहित बताते हुए युवती से प्रेम संबंध स्थापित किया और विवाह का आश्वासन दिया। शिकायत के मुताबिक आरोपी ने जुलाई 2025 में युवती को तराईमाल बुलाकर अपने क्वार्टर में रखा और पत्नी बनाकर रखने तथा शादी करने का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी लगातार विवाह का आश्वासन देकर उसका शोषण करता रहा। बाद में जब युवती ने साथ रखने की बात कही तो आरोपी ने पहले से विवाहित होने की जानकारी दी और संबंध स्वीकारने से इंकार कर दिया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर धारा 69 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पीड़िता का बयान दर्ज कराया गया तथा चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। पुलिस टीम ने आरोपी को सिंघल पावर प्लांट लेबर कॉलोनी, तराईमाल से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने युवती के साथ प्रेम संबंध होने और उसे गर्भवती करने की बात स्वीकार की। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

रायगढ़ की बेटी ओजस्वी बनी मिसाल,91 प्रतिशत अंकों के साथ सबको चौंकाया

शिक्षा के महासमर में ओजस्वी का परचम, सात साल की उम्र में पांचवीं उत्तीर्ण कर बनाया रिकॉर्ड

प्रतीक मिश्रा, रायगढ़

खास खबर

प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, इसका जीवंत उदाहरण लैलूंगा की नन्ही छात्रा ओजस्वी चतुर्वेदी ने प्रस्तुत किया है। जिस उम्र में अधिकांश बच्चे प्राथमिक शिक्षा की बुनियादी बातें सीख रहे होते हैं, उस उम्र में ओजस्वी ने अपनी असाधारण बुद्धिमत्ता और मेहनत के दम पर पांचवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर एक नई मिसाल कायम कर दी है।

अमरदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लैलूंगा में अध्ययनरत ओजस्वी ने मात्र 7 वर्ष 7 माह की आयु में पांचवीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों के साथ पास की है। बताया जा रहा है कि यह उपलब्धि उसे प्रदेश की सबसे कम उम्र में पांचवीं उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं की श्रेणी में खड़ा करती है। ओजस्वी की इस सफलता के पीछे उसके परिवार का विशेष योगदान रहा है। उसके पिता जितेंद्र कुमार चतुर्वेदी, जो आर्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलखिया लैलूंगा में व्याख्याता हैं। उन्होंने बच्ची की बौद्धिक क्षमता को पहचानते हुए उसे विशेष शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा और बौद्धिक क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से खुला आसमान प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस परियोजना का पहला प्रयोग उन्होंने अपनी बेटी पर किया, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सबके सामने हैं। विशेष बात यह है कि ओजस्वी केवल पढ़ाई में ही अव्वल नहीं है, बल्कि डिजिटल माध्यमों पर भी अपनी अलग पहचान बना रही है। वह अपने यूट्यूब चैनल के जरिए विभिन्न विषयों पर शैक्षणिक सामग्री साझा कर अन्य बच्चों को पढ़ाने का कार्य भी कर रही है।

डीईओ ने भी किया प्रोत्साहित

ओजस्वी की प्रतिभा को देखते हुए उसे शिक्षा विभाग से भी विशेष सहयोग मिला। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. के. वी. राव ने उसकी योग्यता का मूल्यांकन कर उसे उच्च कक्षा की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान की। इस अवसर का लाभ उठाते हुए ओजस्वी ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्षमता साबित कर दी। उसकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिवार, विद्यालय और स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि ऐसी प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलें तो वे भविष्य में राज्य और देश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकती हैं। लैलूंगा के वार्ड क्रमांक-2 जुनाडीह निवासी ओजस्वी आज क्षेत्र के हजारों बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

आठवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने की मिली अनुमति

ओजस्वी चतुर्वेदी अब एक और शैक्षणिक उपलब्धि की ओर बढ़ रही है। उसके पिता जितेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने स्कूल शिक्षा विभाग से ओजस्वी के सत्र 2026-27 में सीधे 8वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने और उसमे शामिल होने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। छात्रा की असाधारण बौद्धिक क्षमता और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर शिक्षा विभाग ने यह अनुमति प्रदान की है। ओजस्वी के पिता जितेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि बच्ची की प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए विशेष शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया जा रहा है उसके पिता ने आवेदन में उल्लेख किया था कि बच्ची में पढ़ने और नई चीजें सीखने की जिज्ञासा लगातार बनी हुई है। इसी कारण वे चाहते हैं कि उसे सत्र के प्रारंभ से ही कक्षा आठवीं स्तर की पढ़ाई करने का अवसर मिले और पूर्व वर्ष की तरह विशेष अनुमति प्रदान की जाए।

नारी शक्ति ही छत्तीसगढ़ के चहुंमुखी विकास की प्राण धुरी : ओपी

रायगढ़। वित्त मंत्री विधायक रायगढ़ ओपी चौधरी ने काह छत्तीसगढ़ की माटी सदैव से महतारियो की पूजा करती आई है। आज वही परंपरा छत्तीसगढ़ के विकास के नए युग में आकार ले रही है। मंत्री ओपी ने नारी शक्ति राज्य के चहुंमुखी विकास की मुख्य धुरी बन चुकी है। यह केवल वाक्य नहीं, बल्कि धरातल का सत्य है। माँ दुर्गा की तरह जब नारी शक्ति जागृत होती है, तो घर, गांव और प्रदेश सब संवर जाता है। आज छत्तीसगढ़ की 8 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनकर आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय लिख रही हैं। सिलाई मशीन की टक.टक से लेकर मोबाइल के स्वाइप तक, हर स्वर में अब आत्मनिर्भरता का मंत्र गूंज रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प और विष्णुदेव साय सरकार की नीतियों ने नारी शक्ति को सम्मान के साथ साधन भी दिए हैं। अब बेटियां बोझ नहीं, बोझ उठाने वाली शक्ति बन रही हैं।

पंजारीप्लांट क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को लेकर नागरिकों ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पंजारीप्लांट क्षेत्र के रहवासियों एवं विद्युत उपभोक्ताओं ने क्षेत्र में व्याप्त बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर विद्युत विभाग के समक्ष मांगपत्र सौंपा है। नागरिकों का आरोप है कि लंबे समय से बार.बार बिजली कटौती, कम वोल्टेज, बढ़े हुए बिजली बिल और जर्जर विद्युत लाइनों की समस्या बनी हुई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मांगपत्र में क्षेत्रवासियों ने बिना पूर्व सूचना के होने वाली बिजली कटौती पर रोक लगाने, कम वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान करने तथा बढ़े हुए बिजली बिलों की समीक्षा कर उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है। इसके अलावा झूलते हुए बिजली तारों को व्यवस्थित करने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता का परीक्षण कर आवश्यकता अनुसार उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने तथा जर्जर तारों को बदलने की मांग भी उठाई गई है। नागरिकों ने कहा है कि कई स्थानों पर बिजली की तारें नीचे लटक रही हैंए जिससे दुर्घटना और जनहानि की आशंका बनी हुई है। वहीं नियमित रखरखाव के अभाव में विद्युत उपकरणों में तकनीकी खराबियां भी बढ़ रही हैं। क्षेत्रवासियों ने विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

खास बात

- बिजली की अघोषित कटौती को लेकर दिखी नाराजगी, विद्युत विभाग का किया घेराव

स्कूलों में अब प्रतिदिन राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना और महापुरुषों की जीवनी का होगा वाचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शासन ने जिला शिक्षा अधिकारी को जारी किया आदेश

शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 से प्रदेश के सभी शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने के उद्देश्य से विभिन्न दैनिक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में 12 जून 2026 को स्कूल शिक्षा विभाग जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किया गया है।

विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, स्कूलों में अब प्रतिदिन तीन अलग-अलग समय पर निर्धारित क्रम में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रातःकालीन सत्र स्कूल प्रारंभ होने पर सुबह की प्रार्थना सभा में एक तय क्रम के अनुसार ये प्रस्तुतियां अनिवार्य होंगी। जिला शिक्षा अधिकारी को जारी निर्देश के अनुसार अब विद्यालयों में प्रतिदिन निर्धारित क्रम में सांस्कृतिक और प्रेरणादायी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जानकारी के अनुसार स्कूल लगने के समय आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा में क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, दीप मंत्र, सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र, महापुरुषों की जीवनी का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने के लिए मध्यान्ह भोजन के दौरान भोजन मंत्र का पाठ कराया जाएगा। इसके अलावा विद्यालयों की छुट्टी के समय विद्यार्थियों द्वारा राज्यगीत, गायत्री मंत्र, शांति मंत्र का सामूहिक पाठ किया जाएगा।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

शासन ने स्पष्ट किया है कि सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रतिदिन स्कूलों का औचक निरीक्षण करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इन नियमों का कड़ाई से पालन हो रहा है या नहीं। निर्धारित क्रम में अवहेलना पाए जाने पर संबंधित स्कूल प्रबंधन या प्राचार्यों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई भी की जा सकती है।

सभी स्कूलों में प्रतिदिन पालन के निर्देश

स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में इन गतिविधियों का प्रतिदिन निर्धारित क्रम में संचालन सुनिश्चित किया जाए। विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों में अनुशासन, सांस्कृतिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों और भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित होगी।

यह है मुख्य उद्देश्य

स्कूल शिक्षा विभाग का मानना है कि इन गतिविधियों के नियमित और प्रभावी संचालन से छात्रों में न केवल राष्ट्रप्रेम और अनुशासन की भावना मजबूत होगी, बल्कि उनके भीतर नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना का भी सही विकास होगा। यह पहल विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं और राष्ट्रीय मूल्यों से परिचित कराने में मील का पत्थर साबित होगी।

एमजी रोड पर महिला से पौने दो लाख की सोने की चेन झपटी, बाइक सवार बदमाश फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शिकायत के बाद जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

शहर में चेन स्नैचिंग की एक और वारदात ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार रात एमजी रोड पर बाजार से घर लौट रही एक महिला के गले से बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने सोने की चैन झपट ली और मौके से फरार हो गए। छीनी गई चैन की कीमत करीब पौने दो लाख रुपये बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार रात करीब 8 बजे से 8:30 बजे के बीच की है। पीड़ित महिला अपने बेटे के साथ बाजार से खरीदारी कर घर लौट रही थी। इसी दौरान पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और महिला के गले में पहनी सोने की चैन झपटकर फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि महिला और उसका बेटा कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आरोपी मौके से निकल चुके थे। वारदात के बाद आसपास मौजूद लोगों ने महिला की मदद की और पुलिस को सूचना दी गई। घटना शहर के सबसे व्यस्त और प्रमुख मार्गों में शामिल एमजी रोड पर हुई है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। देर शाम भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस घटना से व्यापारियों और आम नागरिकों में भय और नाराजगी का माहौल है। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि संदिग्धों की तलाश की जा रही है और उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

जिला जेल में बंद कैदी की अस्पताल में संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिला जेल में बंद एक बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। मृतक की पहचान संजय बघेल 30 वर्ष निवासी नवापारा थाना कोतरारोड़ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संजय बघेल पिता प्यारे लाल बघेल को शराब से जुड़े एक मामले में करीब तीन दिन पहले जेल भेजा गया था। जेल में तबीयत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का आरोप है कि जेल के भीतर संजय के साथ मारपीट की गई, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। वहीं घटना को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने अस्पताल की मर्चुरी के बाहर जमकर हंगामा किया। बताया जा रहा है कि शव देखने को लेकर ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है जिसके बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद नवापारा गांव सहित आसपास के क्षेत्र में भी चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। वहीं परिजन निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े हुए हैं।

मासिक क्राइम समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण, अवैध कारोबार और महिला अपराधों पर सख्त

अपराध नियंत्रण पर सख्त हुए एसएसपी, आरोपियों के खिलाफ चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने की। बैठक में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना एवं चौकी प्रभारी, शाखा प्रभारी तथा प्रशिक्षणरत उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में एसएसपी ने हाल के दिनों में बढ़ी बाइक चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए वाहन चोरों के खिलाफ विशेष रणनीति के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने वाहन चोरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने, तकनीकी संसाधनों का अधिक उपयोग करने तथा अवैध कबाड़ कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। अपराध समीक्षा के दौरान एसएसपी ने नए दर्ज मामलों और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने गंभीर अपराधों की जांच में तेजी लाने तथा गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को समय-सीमा के भीतर लंबित मामलों का निराकरण करने के लिए कहा। बैठक में ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। थाना प्रभारियों को आवश्यकता पड़ने पर अन्य जिलों और राज्यों में टीम भेजकर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने पर भी चर्चा हुई। यातायात अधिकारियों को प्रमुख मार्गों पर बेहतर प्रबंधन और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने प्रशिक्षणरत उप निरीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे थाना प्रभारियों और विवेचकों के साथ रहकर व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करें तथा सीखने की भावना के साथ कार्य करें। बैठक के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और डीएसपी ने प्रशिक्षु अधिकारियों की अलग से समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

महिला अपराधों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

महिला संबंधी अपराधों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने महिला थाना की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला अपराधों के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और समय-सीमा के भीतर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएं।

अवैध शराब, जुआ-सट्टा और गांजा कारोबार पर कार्रवाई तेज होगी

एसएसपी ने थाना प्रभारियों को माइनर एक्ट के तहत अधिक से अधिक कार्रवाई करने तथा बदमाशों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑपरेशन आघात के तहत अवैध शराब और गांजा तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाने को कहा। साथ ही जुआ-सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों पर भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

खबर संक्षेप

भाजपा की कार्य शैली पर उठने लगा सवालः ब्लॉक कांग्रेस सचिव

सारंगढ़। सारंगढ़ बिलाईगढ़ के ग्राम कोसीर में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 में अपने प्रवास के दौरान की थी। किंतु एक साल बीतने के बाद भी यह घोषणा जमीन पर नहीं उतर सका है। ऐसे में ब्लॉक कांग्रेस सचिव फूलकुमार विश्वकर्मा ने इस पर तंग कसते हुए भाजपा की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर साफ तौर पर नजर आ रहा है। पचास हजार जनसंख्या के बीच मे कोसीर मे सामुदायिक भवन बनाने घोषणा के बाद क्षेत्रवासियों ने काफी खुशी देखने को मिली थी, इसे लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया था। किंतु अब इस घोषणा के एक साल बीत जाने के बाद भी जब सामुदायिक भवन का निर्माण नहीं हो सका है तो ऐसी स्थिति में नाराजगी देखने को मिल रही है। ब्लॉक कांग्रेस सचिव फूलकुमार विश्वकर्मा ने इस पर कहा कि भोले भाले जनता को घोषणा का लॉलीपॉप थमा दिया गया। भाजपा सरकार केवल लोगो को सिर्फ झूनझूना पकड़ाने का कार्य करती है।

31 बार रक्तदान कर रक्तवीर बने अश्वनी चंद्रा

सारंगढ़। सारंगढ़ के रानीसागर निवासी अश्वनी चंद्रा ने मानव सेवा की ऐसी मिसाल पेश की है, जो कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गई है। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक महिला की प्रसव के दौरान रक्त की कमी से हुई मौत की घटना देखी। इस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया और उसी दिन उन्होंने संकल्प लिया कि रक्त के अभाव में किसी की जान नहीं जाने देंगे। इसी संकल्प के साथ उन्होंने 18 साल की उम्र में पहली बार रक्तदान किया और फिर इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। इसके बाद वे लगातार जरूरतमंद मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और सिकल सेल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आते रहे। उनके रक्तदान से कई मरीजों को नया जीवन मिला है। आज 38 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते अश्वनी चंद्रा 31 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। समाज सेवा और मानवता के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए सारंगढ़ अंचल में लोग उन्हें सम्मानपूर्वक 'रक्तवीर' के नाम से जानते हैं। उनका यह सफर इस बात का उदाहरण है कि एक संकल्प कैसे समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा बन सकता है।

शिक्षिका संतोषी व रेणु को महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान

जशपुरनगर। हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सोलन की धरा पर आयोजित 'राष्ट्रीय सेमिनार सह महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान 2026' में छत्तीसगढ़ के शिक्षकों ने अपनी अनूठी छाप छोड़ी है। ₹शिक्षा, पर्यावरण, संस्कृति व संस्कार₹ विषय पर आधारित इस भव्य राष्ट्रीय समागम में देश के 8 राज्यों (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर) के उत्कृष्ट व नवाचारी शिक्षकों का मेला जुटा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की 'प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा' संस्था से 26 सदस्यीय टीम पूरे जोश और खरोश के साथ सोलन पहुंची थी। संस्थापक मनोज मिश्रा का प्रेरक संदेश यह अवार्ड नहीं, गुरुओं का सम्मान है। छत्तीसगढ़ टीम की इस सफलता और एकजुटता के पीछे टीम प्रभारी लखन लाल साहू जी का कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व रहा। इसी मंच पर छत्तीसगढ़ का मान तब और बढ़ गया जब शिक्षिका संतोषी डनसेना और रेणु प्रधान को उनके क्षेत्र में किए गए विशिष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संतोषी डनसेना को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और उनके द्वारा किए गए नवाचार व निरंतर प्रयासों के लिए 'महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान' से नवाजा गया। उसी प्रकार रेणु प्रधान को भी पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए नवाजा गया। मुख्य अतिथि डिप्टी डायरेक्टर, सोलन डाइट के प्राचार्य, सभी बीईओ और अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में उन्हें मंच पर प्रमाण पत्र, मोमेंटो और हिमाचल का पारंपरिक 'विशेष मफलर' पहनाकर यह गौरवमयी सम्मान प्रदान किया गया।

रेल नेटवर्क से जुड़ेगा जशपुरः धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल लाइन बनेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

■ मोदी सरकार का बड़ा फैसला, मुख्यमंत्री के सतत प्रयास को मिली सफलता

जशपुर और सरगुजा अंचल की दशकों पुरानी मांग आखिरकार निर्णायक चरण में पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने धरमजयगढ़–पत्थलगांव–लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही यह परियोजना अब सरकारी संकल्प का हिस्सा बन गई है और इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस रेल परियोजना को जशपुर, सरगुजा और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों की आर्थिक, सामाजिक एवं औद्योगिक प्रगति का आधार माना जा रहा है। परियोजना पूरी होने पर लाखों लोगों को बेहतर आवागमन, व्यापार, रोजगार और शिक्षा के अवसर प्राप्त होंगे। भाजपा नेताओं ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास का नया अध्याय बताया है। भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि राजपत्र अधिसूचना जारी होने के बाद भूमि अधिग्रहण एवं निर्माण प्रक्रिया में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन इस रेल लाइन पर पहली ट्रेन दौड़ेगी, उस दिन जशपुर, सरगुजा और आसपास का पूरा क्षेत्र विकास, रोजगार, पर्यटन और औद्योगिक प्रगति के नए युग में प्रवेश करेगा। रेल की पटरियां केवल शहरों को नहीं जोड़तीं, बल्कि सपनों, संभावनाओं और समृद्धि को भी जोड़ती हैं। धरमजयगढ़–पत्थलगांव–लोहरदगा रेल लाइन उसी नए भविष्य की आधारशिला बनने जा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष भरत सिंह ने कहा कि धरमजयगढ़–पत्थलगांव–लोहरदगा रेल लाइन की राजपत्र अधिसूचना डबल इंजन सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय जशपुर जिले के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने कहा कि रेल परियोजना के शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। किसानों की उपज बड़े बाजारों तक पहुंचेगी, वहीं युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

मोदी सरकार ने जनभावनाओं को दिया सम्मानः राठिया

लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि दशकों से लंबित मांग को पूरा कर केंद्र सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे के विस्तार और आधुनिकीकरण का कार्य तेजी से हो रहा है। यह रेल लाइन आदिवासी अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मिली बड़ी सौगातः साय

पत्थलगांव विधायक गोमती साय ने कहा कि धरमजयगढ़–पत्थलगांव–लोहरदगा रेल लाइन का राजपत्रित होना जशपुर अंचल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस परियोजना को लेकर लगातार गंभीर प्रयास किए और केंद्र सरकार के समक्ष क्षेत्र की जरूरतों को मजबूती से रखा।

भविष्य की जीवनरेखा है यह परियोजनाः भगत

जशपुर विधायक रायमुनी भगत ने कहा कि यह परियोजना केवल रेल संपर्क का माध्यम नहीं, बल्कि जशपुर के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से क्षेत्र को यह बड़ी सौगात मिली है, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा।

संकल्प से सिद्धि तक पहुंची परियोजनाः राय

भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय ने कहा कि जशपुर और सरगुजा क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। इस परियोजना से पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

आदिवासी अंचल के विकास का स्वर्णिम अध्यायः जूदेव

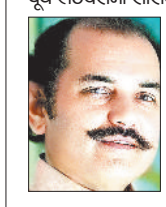

पूर्व राज्यसभा सांसद रणविजय सिंह जूदेव ने कहा कि यह निर्णय आदिवासी बहुल क्षेत्रों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह रेल लाइन क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का कार्य करेगी।

नए कानूनों की बारीकियां सीखेंगे विवेचक

अब सिर्फ सजा नहीं, पीड़ित को त्वरित न्याय भी लक्ष्यः एसएसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

■ जशपुर में दिनभर चला मंथन

देश में लागू नए आपराधिक कानूनों को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने और पुलिस विवेचना को अधिक वैज्ञानिक व तकनीक आधारित बनाने के लिए शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन और फॉरेंसिक विभाग के अधिकारी एक मंच पर आए और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार साहू, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम देवांगन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमन सिंह, डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जिले के सभी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, विवेचक, अभियोजन अधिकारी और फॉरेंसिक विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि नए आपराधिक कानून न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव लेकर आए हैं।

मोबाइल, सीसीटीवी और सोशल मीडिया बन रहे अहम साक्ष्य

जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार साहू ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में एफआईआर का सही और समय पर दर्ज होना न्यायिक प्रक्रिया की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन, सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया, ई-मेल, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और लोकेशन डेटा जैसे डिजिटल साक्ष्य कई मामलों में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विवेचकों को सलाह दी कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का संग्रहण और संरक्षण पूरी कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाए, ताकि न्यायालय में उनकी प्रमाणिकता पर सवाल न उठे।

बेहतर समन्वय से मिलेगा त्वरित न्याय

कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन और फॉरेंसिक विभाग के बीच बेहतर समन्वय से ही नए आपराधिक कानूनों का उद्देश्य पूरा हो सकेगा। वैज्ञानिक विवेचना और तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग से अपराधियों को सजा और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। दिनभर चली इस कार्यशाला में नए कानूनों की व्यावहारिक चुनौतियों और उनके समाधान पर भी व्यापक चर्चा हुई।

क्राइम सीन सुरक्षित नहीं तो कमजोर पड़ सकता है केस

कार्यशाला में फॉरेंसिक जांच और क्राइम सीन प्रोटेक्शन के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा हुई। न्यायाधीश साहू ने कहा कि घटनास्थल पर साक्ष्यों को सुरक्षित रखना और उन्हें दूषित होने से बचाना सफल अभियोजन की बुनियाद है। अनुसंधान में छोटी सी लापरवाही भी पूरे मामले को कमजोर कर सकती है। एफआईआर से चार्जशीट तक हर कदम पर सतर्कता जरूरी।अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम देवांगन ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण विवेचना की शुरुआत तथ्यपरक एफआईआर से होती है। उन्होंने डिजिटल साक्ष्यों, मेडिकल रिपोर्ट, एफएसएल रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के समन्वित विश्लेषण पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत साक्ष्य ही न्यायालय में अभियोजन को मजबूती देते हैं।

रोज अपडेट हो केस डायरी, रिपोर्ट रहे स्पष्ट

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमन सिंह ने विवेचकों को निर्देशित किया कि केस डायरी का संधारण प्रतिदिन किया जाए और हर कार्रवाई का समयबद्ध उल्लेख हो। उन्होंने कहा कि अस्पष्ट या अधूरी विवेचना रिपोर्ट न्यायालयीन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, इसलिए अनुसंधान प्रतिवेदन स्पष्ट, सटीक और क्रमबद्ध होना चाहिए।

रेत डंप कर रहे तस्कर, ऑफ सीजन के बेचेंगे मनमानी कीमत पर

महादेवदंड। जिले के बगीचा विकासखंड के गुडलू ग्रामपंचायत से बहने वाली बोडा पहरी एवं बंबा नदी से अवैध रेत उत्खनन का काम जोरो पर चल रहा है।मुख्यमंत्री की निर्देश के बाद भी खनिज संपदा का अवैध दोहन लगातार जारी है।अवैध दोहन से शासन को लाखों का चूना लगाया जा रहा है।

■ सरकार को लगा रहे लाखों का चूना

गर्मी का मौसम होने के कारण क्षेत्र की नदियों में पानी लगभग न के बराबर होता है,जिसका फायदारेट तस्कर आसानी से उठा रहे है।नदी से रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर रेत का अवैध उत्खनन कर रेत माफिया शासन को लाखों का चुना लगा रहे है। ग्रामपंचायत गुडलू के सरपंच ने बताया किया घर बनाने वाले तो बोडा पहरी एवं बंबा नदी से रेत ले जाते ही है अब तो नदी के ऊपर डंपिंग यार्ड बना कर रेत को डंप करने का खेल भी शुरू हो गया है।रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर के रेट उत्खनन से नदीपर बना करोड़ो का पुल खतरे में आ सकता है अगर पुल क्षतिग्रस्त हुआ तो दर्जनों गांवों का संपर्क मुख्यधारा टूट जाएगा। ग्राम पंचायत गुडलू के सरपंच का कहना है कि हमने अनुविभागीय अधिकारी बगीचा को टेलीफोनिकली इसकी सूचना दी है एवं पुलिस के 112 को भी डायल करके इसकी जानकारी दी थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। असीमित मात्रा में रेत के निकलने से नदी पर बने पुल को खतरा हो सकता है साथ ही नदी के सूखने की संभावन एवं पानी के स्तर को और नीचे जाने की संभव बनी रहती है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर जीवन बचाने वाले हमारे रक्तबीर

सरिया। विश्व रक्तदाता दिवस हर साल 14 जून को मनाया जाता है। रक्तदान एक बेहद पुण्य का काम है। जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है। इसी उद्देश्य को लेकर सरिया में रक्तवीर परिवार की एक फौज खड़ी है। जो प्रतिवर्ष नगर में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंच कर जरूर मंद लोगों के जीवन बचाने में मदद कर रहे हैं।

■ पंचधार के महेश बारिक ने 68 बार रक्तदान कर चुका है

ऐसे ही कुछ लोग हैं । जो रक्तदान कर समाज में एक कायम की है इंसानियत की मिसालए जो लोग रक्तदान के लिए जाने जाते हैं। समय समय पर रक्तदान करके दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए कदम बढ़ाते हैं।न तो जान पहचान देखते हैंए न तो नाते और रिश्तेदारी। इनका उद्देश्य सिर्फ लोगों की जान बचाना होता है। किसी भी समय जरूरत पड़े ये रक्तवीर हाजिर हो जाते हैं। इसमें कुछ ऐसे हैं ।जिन्होंने अपने ऊपर आई समस्याओं से सीख लेकर रक्तदान शुरू कियाए तो किसी ने दूसरों से प्रेरणा लेकर रक्तदान करते आ रहे हैं। सरिया में विशाल रक्तदान शिविर का वर्ष 2021 में प्रारंभ हुआ। जो अब तक अनवर जारी है। जिसमें सबसे ज्यादा ब्लड डोनेट किया गया है। यह रक्तबीर अपना खून देकर सिर्फ लोगों की जिंदगी बचना ही नहीं, दूसरे को रक्तदान के लिए जागरूक करने का काम भी रक्तबीर पूरी तन्मयता से कर रहे हैं ।ऐसे ही कुछ लोगों ने हमारे संवाददाता वीरेंद्र सोनी ने बातचीत किया है। जिसमें रक्तबीर परिवार सरिया के संयोजक कमलेश अग्रवाल ने बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और रक्तदान के माध्यम से ही जरूरतमंदों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने करीब 10 बार रक्तदान कर सरिया में रक्तदान शिविर का शुभारंभ सन 2021 से प्रारंभ किया है। तब से लेकर अब तक शिविर के माध्यम से महिला एपुरुष एयुवा सब मिलकर बड़ी संख्या रक्त यूनिट रायगढ़ जिले के विभिन्न ब्लड बैंकों में प्रदान किए हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष व रक्तबीर परिवार सरिया के संयोजक कमलेश अग्रवाल ने आगे बताया कि एक बार रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। कमलेश अग्रवाल के अभियान से प्रेरित होकर रमेश डनसेना शिक्षक ने 20 बार रक्तदान कर इसे महादान बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर इलाज करके लोगों की जान बचाता है तो वही एरक्तदाता अपने शरीर का खून देखकर रोगी को नई जिंदगी देता है। उन्होंने कहा कि सभी को रक्तदान करना चाहिए। इससे शरीर या स्वास्थ्य को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। इसी तरह नगर के श्रीमती रीना अग्रवाल ने भी सात बार अपना खून देकर सिर्फ लोगों की जिंदगी बचना ही नहींए दूसरों को रक्तदान के लिए जागरूक करने का काम कर रही है। सरिया क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता एवं रक्तबीर महेश बारिक पंचधार ने 18 साल के उम्र से ही रक्तदान करते आ रहे हैं। उन्होंने अब तक 68 बार रक्तदान कर चुके हैं।

मां को खोने का दर्द बना सेवा का संकल्प, 24 बार रक्तदान कर चुके विनय बने मिसाल

सारंगढ़। रक्त की कमी के कारण अपनी मां को खोने का दर्द सारंगढ़ के युवा विनय थवाईत के जीवन का टर्निंग पॉइंट बन गया। 18 वर्ष की उम्र में मां के निधन के बाद उन्होंने यह संकल्प लिया कि रक्त के अभाव में किसी और परिवार को ऐसा दुख न झेलना पड़े। इसी सोच के साथ उन्होंने रक्तदान की शुरुआत की और आज जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की किरण बन चुके हैं। विनय ने रक्तदान को केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि अपने जीवन का मिशन बना लिया है। सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मदद के लिए वे हर समय तैयार रहते हैं। अब तक वे 24 बार से अधिक रक्तदान कर कई लोगों की जिंदगी बचाने में योगदान दे चुके हैं। उनकी इस निस्वार्थ सेवा भावना का असर पूरे परिवार पर भी पड़ा है। रक्तदान के प्रति समर्पण और जनसेवा के जज्बे के कारण आज उनके परिवार को लोग रक्तवीर परिवार के नाम से पहचानने लगे हैं।

तारकेश्वर मंदिर तालाब की बदहाल स्थिति से श्रद्धालु और ग्रामीण परेशान, सफाई की मांग तेज

कटेली। जिला मुख्यालय सारंगढ़ से रायपुर मार्ग स्थित वार्ड क्रमांक 5 विशालपुर में स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध पौराणिक तारकेश्वर मंदिर अपनी धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। यहां प्रतिदिन शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु सुबह शाम भगवान के दर्शन एवं पूजा.अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर स्थित तालाब भी स्थानीय लोगों की आस्था और दैनिक उपयोग का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे तथा अन्य लोग नियमित रूप से स्नान करने आते हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तालाब में वर्षभर पानी उपलब्ध रहता है, जिसके कारण अनेक लोगों के लिए यह स्नान का प्रमुख साधन बन गया है। लेकिन लंबे समय से तालाब में फैली गंदगी, पुराईन पत्ता, जलकुम्भी और साफ-सफाई के अभाव के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और वार्डवासियों का आरोप है कि गंदे पानी में स्नान करने से त्वचा संबंधी रोग, खुजली एवं अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। नागरिकों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका प्रशासन को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। कुछ माह पूर्व दिलीप टंडन ने तत्कालीन कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज से इस विषय पर चर्चा की थी। उस दौरान कलेक्टर ने तालाब की साफ.सफाई शीघ्र कराने का आश्वासन भी दिया था। वर्तमान में जिले की कमान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के हाथों में है। ऐसे में क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन इस महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल और सार्वजनिक उपयोग के तालाब की साफ-सफाई को प्राथमिकता देगा। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते तालाब की सफाई नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि तारकेश्वर मंदिर तालाब की नियमित सफाई, जलकुंभी हटाने तथा स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके।

विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रूबरू हुए

आईजी ने दिए प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

■ बेहतर कार्य एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण संबंधी दिए दिशा-निर्देश

पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर के आदेशानुसार सरगुजा रेंज अंतर्गत जिला सरगुजा को 14, सूरजपुर को 15, बलरामपुर को 16 जशपुर को 13 एमसीबी को 12 एवं जिला कोरिया को 8 मिले नए प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों से पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक सामान्य बैठक/विडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रूबरू होते हुए थाना/मैदानी क्षेत्रों में बेहतर कार्य एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण संबंधी सभी नए प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को विभागीय आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिस दौरान उमनि/वरि.पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, सीएसपी अंबिकापुर राहुल बंसल, रक्षित निरीक्षक सरगुजा तृप्ति सिंह राजपूत उपस्थित रहें एवं अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षक जिला इकाई स्तर पर विडियों कांन्फ्रेंस के माध्यम से प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों के साथ जुड़े रहे।

रेंज के जिलों में आए सभी नए प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों से पुलिस महानिरीक्षक द्वारा उनके व्यवहारिक परिचय के साथ-साथ उनके योग्यताओं के बारे में रूबरू हुए। सामान्य परिचय उपरांत उन्होने सभी प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को विभाग के कार्यप्रणाली एवं व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बताते हुए थानों के मैदानी क्षेत्रों में अपने से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यकरने संबंधी टिप्स दिए। प्रशिक्षण के दौरान कानून व्यवस्था, अपराध विवेचना, सायबर फ्रांड संबंधी कार्य की जानकारी, सीसीटीएनएस कार्य का ज्ञान, बीट पुलिसिंग, संत्री ड्यूटी, न्यायालयीन कार्यवाही, मुलजिम पेशी, कोर्ट मोहर्रिर, समंस वारंट, गुम इंसान के प्रकरणों, मर्ग महिला एवं बाल अपराध संबंधी के साथ-साथ पुलिस के कार्यो का बारिकी से अध्ययन करना एवं जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार, पीडितों से सालीनतापूर्वक व्यवहार महिला/बालक संबंधी मामलों में विशेष सर्तकता, मानवाधिकारों का सम्मान एवं पुलिस की सकारात्मक छवि निर्माण संबंधी विषयों के बारे में विशेष रूचि लेते हुए कार्य सिखने की जरूरत है।

आत्मानंद स्कूल में चला स्वच्छता अभियान

जशपुरनगर। नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ होने से पहले स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय नारायणपुर में शनिवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनपद सीईओ कुनकुरी के निर्देश एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ए. तिग्गा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में विद्यालय परिसर, छात्रावास, खेल मैदान और आसपास के क्षेत्रों की विशेष साफ-सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना रहा।

अल्फा का नया पोस्टर हुआ जारी, आलिया संग नजर आए शरवरी-बॉबी और अनिल

मुंबई। फिल्म 'अल्फा' का टीजर रिलीज होने के ठीक एक दिन बाद, आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस नए पोस्टर में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर काफी दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिव रावेल कर रहे हैं। बुधवार को फिल्म का पहला टीजर रिलीज किया गया था। टीजर की शुरुआत में आलिया भट्ट और बॉबी देओल एक साथ खाना खाते हुए दिखते हैं। बॉबी देओल, आलिया को उनके 18वें जन्मदिन की बधाई देते हैं और उन्हें एक कमरे का नंबर लिखा हुआ कार्ड देते हैं। बॉबी कहते हैं कि अब ट्रेनिंग को सच में आजमाने का समय आ गया है। इसके बाद फिल्म के कुछ शानदार एक्शन सीन दिखाए जाते हैं। टीजर से पता चलता है कि बॉबी देओल ने आलिया को एक खतरनाक एजेंट बनने के लिए कई साल तक ट्रेनिंग दी है।

लाइफ Style

भूमि

सशस्त्र बलों के प्रति जताया आभार

सिक्किम सीमा के दौरे के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना गहरा आभार जताया है। इस दौरान भूमि ने सीमा का दौरा किया और साथ ही सैनिकों से बातचीत भी की। भूमि पेडनेकर सिक्किम की तीन दिवसीय यात्रा पर गई थीं। इस दौरान उन्होंने भारत की सीमा का दौरा किया और वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भूमि ने बताया कि वह खुद को हमेशा से एक सच्ची देशभक्त मानती हैं। सीमा पर जाकर उन्हें अहसास हुआ कि हमारे सैनिक देश के लिए कितना बड़ा बलिदान देते हैं। सैनिकों से बात करके वह खुद को उनका कर्जदार महसूस कर रही हैं। भूमि ने बताया कि सीमा पर बेहद ठंड थी, लेकिन वहां का नजारा बहुत खूबसूरत था। भूमि ने उस क्षेत्र के इतिहास को भी समझा और कहा कि देश की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों पर उन्हें बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए हम आम नागरिक उतना योगदान नहीं दे पाते, जितना हमें देना चाहिए। भूमि ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगाके हईशा' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके काम की जमकर तारीफ हुई। इसके बाद उन्होंने टॉयलेट एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान, बाला, पति पत्नी और वो, सांड की आंख, बधाई दो और भक्षक जैसी कई बेहतरीन फिल्मों और वेब सीरीज दलदल में काम किया है। अभिनय में आने से पहले भूमि ने यश राज फिल्म्स में लगभग छह साल तक सहायक कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम किया था। भूमि को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज दलदल में देखा गया था, जो 30 जनवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज में भूमि ने मुंबई क्राइम ब्रांच की डीसीपी रीता फरेरा का मुख्य किरदार निभाया है।

हॉलीवुड मसाला

ऑब्सेशन ने खर्च से 300 गुना से ज्यादा की कमाई

नई दिल्ली। हॉलीवुड में इन दिनों 'ऑब्सेशन' नामक ऐसा तूफान आया है, जिसकी चर्चा बड़े-बड़े फिल्म स्टूडियोज और सुपरस्टार्स के बीच हो रही है। दर्शकों के लिए भले ही यह मनोरंजन है मगर मात्र 6.3 करोड़ रुपए में बनी इस फिल्म ने रिलीज के महज चार सप्ताह में 1,900 करोड़ रुपए की वैश्विक कमाई कर ली है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में जब 'ऑब्सेशन' को दिखाया गया था, तो किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतिहास रच देगी। इस फिल्म ने अब तक के फिल्म फेस्टिवल इतिहास की सबसे बड़ी 'एक्विजिशन' (फेस्टिवल के दौरान किसी बड़ी कंपनी द्वारा खरीदे जाने के बाद बंपर कमाई करने वाली फिल्म) बनने का गौरव हासिल कर लिया है। इस मामले में इसने दिग्गज डाक्युमेंट्री फिल्म 'फारेनहाइट 9/11' का सालों पुराना रिकार्ड तोड़ दिया है।

टेलर होंगी सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम क्लब का हिस्सा

लॉस एंजिल्स। पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के फैंस दुनियाभर में हैं। इस पॉप सिंगर ने हाल ही में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। गुरुवार को उन्हें प्रतिष्ठित 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया। इसके साथ ही सिंगर इस क्लब में शामिल होने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन चुकी हैं। सिंगर टेलर स्विफ्ट ने महज 36 साल की उम्र में यह सफलता प्राप्त की है। मशहूर सिंगर और म्यूजिशियन के क्लब 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में उनकी एंट्री हो गई है। सबसे खास बात यह है कि वो इस क्लब की सबसे कम उम्र की मेंबर हैं। उन्होंने कैरोल बायर सिंगर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 1987 में कैरोल हॉल ऑफ फेम का हिस्सा बनीं, उस वक्त उनकी उम्र 43 साल थीं। 'सॉन्गराइटर्स हॉल ऑफ फेम' में सिर्फ मशहूर गायकों और संगीतकारों को शामिल किया जाता है। 1983 में अमेरिकन सिंगर और म्यूजिशियन स्टीवी वंडर इस क्लब का हिस्सा बने थे। तब वह महज 32 साल के थे। क्लब के अब तक के इतिहास में वह सबसे कम उम्र के सेलिब्रिटी हैं। इस क्लब में शामिल होने के लिए हस्तियों की उम्र लगभग 50 साल या उससे ऊपर होनी चाहिए।

नर्स बनकर कंगना के साहस ने जीता दिल

मुंबई। कंगना रनौत की फिल्म भाग्य विधाता रिलीज हो गई है। इसमें कंगना ने एक नर्स का किरदार निभाया है। इसके अलावा फिल्म 26/11 हमले पर आधारित है। इस मुद्दे पर वैसे तो कई फिल्में बनी हैं, लेकिन डायरेक्टर मनोज तपाड़िया की फिल्म इसमें एक ऐसा एंगल लेकर आई हैं, जिसके बारे में कम लोग जानते हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि जब आतंकवादी उस दौरान एक अस्पताल में घुस गए थे तब क्या हुआ था। इसमें कंगना का किरदार रियल लाइफ नर्स अंजलि कुल्ते पर आधारित है, जिनके साहस और उनके साथ जो नर्स थीं उनकी मदद से उन्होंने 400 लोगों की जिंदगी को बचाया था। कंगना ने अपना किरदार बखूबी निभाया है। उनकी परफॉर्मेंस इतनी क्लीन थी कि नर्स का मरीजों के साथ जो बॉन्ड दिखता है वो काफी साफ और इमोशनली कनेक्ट करता है।

ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया जा चुका है। 'भठकंडी' नाम के एक काल्पनिक गांव पर बेस्ड यह सीरीज ह्यूमर के जरिए देश के गांवों में स्वास्थ्य सेवा की कड़वी सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करती दिख रही है। इस ट्रेलर में अमोल पाराशर एक बार फिर डॉक्टर के किरदार में गांव के ढर्रों से जूझते दिख रहे हैं। वह चाहते हैं कि भठकंडी के हेल्थ सेंटर को किसी तरह से बचाया जा सके और इसी के साथ वो एक आदर्श पीएचसी का खिताब भी पाना चाहते हैं। डॉक्टर प्रभात गांववालों को चिकित्सालय बुलाने के लिए नई-नई तरकीब लगानेवाले हैं, लेकिन अब देखना ये है कि वे कितना सफल होते हैं। हालांकि, ये सब इतना आसान नहीं। इस ट्रेलर की शुरुआत डॉक्टर के सामने ऐसे पेशेंट से होती है, जिसे सुनकर शायद किसी को भी उल्टी आ जाए।

टीवी मसाला

दिव्यांका ने दिखाई जुड़वां बेटों की झलक, कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने आखिरकार अपने जुड़वां बेटों की पहली झलक शेयर की है और फैंस इन प्यारी तस्वीरों को बार-बार देख रहे हैं। एक्ट्रेस ने 25 मई को अपने पति विवेक दहिया के साथ अपने बेटों का स्वागत किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्यारी तस्वीरें पोस्ट करके अपने फॉलोअर्स को एक मां के तौर पर अपनी नई जिंदगी की एक प्यारी सी झलक दिखाई है। इन तस्वीरों में मां बनने के शुरुआती दिनों के कुछ सबसे खास पल कैद हैं। तस्वीरों में दिव्यांका त्रिपाठी अपने नवजात बेटों को गले लगाए और उन्हें प्यार से चूमती हुई नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें उस खुशी और प्यार को दिखाती हैं जो जुड़वां बच्चों के आने के बाद से ही इस कपल के घर में भर गया है। तस्वीरों के साथ दिव्यांका ने एक सादा लेकिन दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया। उन्हें मां बनाने के लिए अपने बेटों का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुझे चुनने के लिए धन्यवाद'। उनके इस दिल से निकले मैसेज ने तुरंत ही फैंस का दिल जीत लिया और कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में परिवार के लिए प्यार और दुआओं की बौछार कर दी। 'ये है मोहब्बतें' में इशिता भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हुईं इस एक्ट्रेस को फैंस अक्सर प्यार से 'इशी मां' कहकर बुलाते हैं। अब वह असल जिंदगी में भी मां बन गई हैं, और उनके कई फॉलोअर्स उन्हें इस नए रोल में देखकर बहुत खुश हैं।

'टीवी शो और फिल्मों में आए थे नजर'

नई दिल्ली। 90 के दशक में कई चर्चित हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में अभिनेता दिनयार तीरंदाज नजर आए थे। यह कलाकार अब हमारे बीच नहीं हैं। इनके निधन की खबर से फिल्म जगत के कलाकारों और प्रशंसकों के बीच शोक लहर दौड़ पड़ी है। इस दिग्गज अभिनेता के निधन की जानकारी पारसी जोरोस्ट्रियन फेसबुक पेज के जरिए साझा की गई है। दिनयार तीरंदाज कई दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहे। उन्होंने 1984 में रिलीज हुई फिल्म दुनिया से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

नुक्कड़ और ब्योमकेश बख्शी जैसे हिट टेलीविजन शो में काम किया था। टेलीविजन के अलावा यह दिग्गज अभिनेता कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखाई दिए। हैलो ब्रदर, अलबेला, चलते-चलते, मैंने प्यार क्यों किया, क्या कहना, दिल है के मानता नहीं और कमाल धमाल मालामाल जैसी फिल्मों में दिनयार तीरंदाज ने अभिनय किया था।

50 साल बाद चितचोर के कलाकारों का मिलन

नई दिल्ली। साल 1976 में आई फिल्म 'चितचोर' ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। इसके लगभग पांच दशक बाद अब इस फिल्म के एक्टर्स जरीना वहाब और मास्टर राजू फिर से साथ देखकर फैंस की खुसी का ठिकाना नहीं है। जरीना वहाब ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है जोकि फैंस को काफी ज्यादा आकर्षित कर रही है। तस्वीर में वह मास्टर राजू के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती दिख रही हैं। तस्वीर सामने आते ही फैंस को फिर से चर्चित फिल्म 'चितचोर' की याद आ गई। वहाब के प्यार भरे सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस को दिखा दिया कि कुछ ऑन-स्क्रीन रिश्ते फिल्म खत्म होने के बाद भी बने रहते हैं।

क्या है चितचोर की कहानी?

चितचोर का निर्देशन बासु चटर्जी ने किया था। यह सुबोध घोष की बंगाली कहानी चित्तचोर पर आधारित थी। फिल्म में विजयेंद्र घाटगे, अमोल पालेकर, ए.के. हंगल, दीना पाठक, रितु कमल, शैल चतुर्वेदी और सी.एस. दुबे जैसे कलाकार शामिल थे। फिल्म की कहानी एक पिता पर केंद्रित है, जो गलती से गलत दूल्हे को घर ले आता है। इसी दौरान लड़की और उस युवक के बीच प्यार पनपने लगता है। बाद में एक पत्र आने के बाद कहानी में बड़ा मोड़ आता है और कई भावनात्मक घटनाएं सामने आती हैं। मास्टर राजू का असली नाम राजू श्रेष्ठ है। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। अमर प्रेम, बावर्ची, परिचय, दाग, अभिमान, दीवार, चितचोर, किताब और खट्टा मीठा उनकी कुछ यादगार फिल्में हैं।

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर होगा बड़ा क्लैश आमने-सामने होंगे बॉबी और सामंथा

नई दिल्ली। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साउथ फिल्मों के चाहने वालों के लिए ये हफ्ता बेहद खास होने वाला है। एक तरफ जहां इस हफ्ते सिनेमाघरों में एक से बढ़कर एक फिल्मों की बाढ़ आई है। वहीं, दूसरी तरफ साउथ की फिल्में इस हफ्ते बवाल काटने के लिए तैयार है। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो चलिए बताते हैं कौन-कौन सी फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

बालनः द बॉय

बालनः द बॉय एक ऐसे लड़के की कहानी है जो उथल-पुथल भरे बचपन से जूझ रहा है और अपनी मां के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद समाधान की तलाश में बेताब है। कलाकार- चंदू सलीम कुमार, गणपति, टोविनो थॉमस, निर्देशक चिदंबरम, शैली किशोरावस्था से वयस्कता में परिवर्तन की कहानी, भाषा मलयालम, रिलीज की तारीखः 19 जून।

मां इंटी बंगारम

मां इंटी बंगारम एक ऐसी महिला की कहानी है, जो दो साल बाद अपने पति के परिवार से मिलने जाती है, बिना उनका आशीर्वाद लिए। एक आदर्श गृहिणी बनने की कोशिश में उसका अतीत उसके दरवाजे पर दस्तक देता है। फिर जो होता है वो इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाता है। कलाकार-सामंथा रुथ प्रभु , गुलशन देवैया, दिगंत मनचले, गौतमी तडिमल्ला, श्रीमुखी, मंजूषा, श्रीनिवास गविरेड्डी, निर्देशक बी.वी. नंदिनी रेड्डी, शैली एक्शन कॉमेडी, भाषा तेलुगु, रिलीज की तारीखः 19 जून।

जना नायकन

जून में थलपति विजय की धमाकेदार फिल्म 'जना नायकन' को लेकर दर्शकोंके बीच काफी क्रेज बना हुआ है। ये फिल्म विजय के 52वें जन्मदिन के सप्ताह में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। हालांकि, इसे लेकर ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है लेकिन ये टिकट बुकिंग ऐप्स पर नोटिफाई हो चुकी है। कहानी थलपति वेत्री कोंडन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी दत्तक पुत्री विजी को एक सशक्त और साहसी सेना अधिकारी बनाना चाहते हैं।

जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी... आज भी सुनकर रो पड़ते हैं लोग

रफी ने अमिताभ के मरने वाले सीन पर फ्री में गाई थीं सिर्फ ये 4 लाइनें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गईं थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं। आज भी इस गाने को बेहद पसंद किया जाता है। बॉलीवुड के लेजेंड्री सिंगर मोहम्मद रफी की आवाज का जादू आज भी लोगों के सिर पर चढ़कर बोलता है। उनके गानों को हर उम्र के लोग सुनना पसंद करते हैं। मौका कोई भी दर्द का खुशी का या फिर रोमांस का रफी के गाने हर मूड के लिए परफेक्ट हैं। लेकिन, अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गईं थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं।

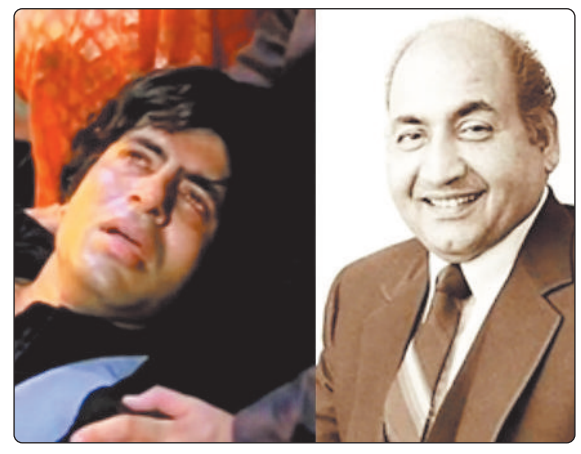

1978 में रिलीज हुई थी 'मुकद्दर का सिकंदर'

हम बात कर रहे हैं अमिताभ बच्चन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' की जो साल 1978 में रिलीज हुई थी। 'मुकद्दर का सिकंदर' अमिताभ के कॅरियर की सफल फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म में का म्यूजिक कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था। वहीं, इसके निर्देशक प्रकाश मेहरा का मानना था। इसके गीत अनजान ने लिखे। इस फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार ने गाए थे। इस मूवी के क्लाइमेक्स सीन ने हर किसी को रुला दिया था। क्लाइमेक्स को और भी असरदार बनाने में रफी का बहुत बड़ा रोल था।

क्लाइमेक्स सीन ने हर, किसी को रुला दिया था

इस पर मोहम्मद रफी ने आनंद जी बात रखी और चार लाइनें गाने के लिए तैयार हो गए। ये गाना था 'जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी / मौत महबूबा है, अपने साथ लेकर जाएगी...'। इस लाइन को गाने के लिए रफी ने कल्याणजी-आनंदजी ने एक पैसा नहीं लिया और अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद इसे फ्री में गाया। रफी की इस बात कल्याणजी-आनंदजी ऐसे कायल हुए कि कहा ये सिर्फ वो ही कर सकते हैं। इस गाने ने रिलीज के बाद हर किसी को रुला दिया और आज भी इसे सुनकर आंखें भर आती हैं।

आनंदजी चाहते थे रफी गाएं

दरअसल, हम पहले ही बता चुके हैं कि 'मुकद्दर का सिकंदर' के सारे गानों को किशोर कुमार ने गाया। इसमें फिल्म का टाइटल ट्रैक 'वो मुकद्दर का सिकंदर', 'ओ साथी रे' शामिल है। इस फिल्म के क्लाइमेक्स सीन, जिसमें अमिताभ बच्चन की मौत होती है, उसके लिए कल्याणजी-आनंदजी को सिर्फ चार लाइने चाहिए थे, जिसे वो किशोर कुमार से नहीं बल्कि, मोहम्मद रफी गाएं। आनंदजी जो दर्द चाहते थे इस गाने में उन्हें यकीन था के सिर्फ रफी ही दे सकते हैं।

किशोर से क्यों नहीं गवा लेते

कल्याणजी-आनंदजी को लेकिन ये बात खाए जा रही थी कि वो मोहम्मद रफी से सिर्फ चार लाइन गाने के लिए कैसे कहें। क्योंकि, उनकी फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार गा रहे थे। हुआ भी कुछ ऐसा ही। हिम्मत करके आनंदजी ने रफी को कॉल करके अपनी बात बताई कि वो चाहते हैं कि आप उनकी फिल्म के लिए सिर्फ चार लाइनें गा दें। रफी ने कहा कि क्यों, किशोर से क्यों नहीं गवा लेते, वो तो सारे गाने गा रहे हैं। इस पर आनंद जी ने कहा कि नहीं, जो दर्द और फील हम उस लाइन में चाहते है वो आप ही दे सकते हैं।

खबर संक्षेप

धार्मिक यात्रा पर रवाना हुई कीर्तन मंडली

पुसौर। जय जगन्नाथ के जयकारों और ढोल मंजीरे की गूंज के साथ पुसौर की जगन्नाथ कीर्तन मंडली शुक्रवार को पुरी की धार्मिक यात्रा पर रवाना हो गई। उद्देश्य एक ही है प्रसिद्ध देवस्थलों में सुमधुर हरिनाम संकीर्तन कर भक्ति की अलख जगाना और भगवान का दर्शन पूजन करना। शुक्रवार सुबह से ही बाजार चौक में माहौल भक्तिमय था। कीर्तन मंडली के सभी सदस्य पारंपरिक वेशभूषा, मृदंग, करताल, हारमोनियम और अन्य वाद्य यंत्रों के साथ एकत्र हुए। नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहित सतपथी ने प्रत्येक सदस्य से भेंट कर शुभेच्छा जताई और सुखद यात्रा की मंगलकामना की। इसके बाद उन्होंने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। उपस्थित लोगों ने हरे कृष्ण, हरे राम की धुन पर झूमकर मंडली का उत्साह बढ़ाया। मंडली के सदस्यों का कहना है कि देवस्थलों में कीर्तन सेवा करना और दर्शन करना ही उनका मुख्य संकल्प है। यात्रा के दौरान मंडली पुरी क्षेत्र के प्रमुख जगन्नाथ मंदिर, शिवालय और अन्य प्रसिद्ध देवस्थलों में पहुंचेगी। वहां पारंपरिक शैली में भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। मान्यता है कि हरिनाम संकीर्तन से क्षेत्र में सुख शांति और समृद्धि का वास होता है। बाजार चौक से रवाना होते समय ढोल मंजीरे की थाप और संकीर्तन की मधुर धुन ने राहगीरों ने भी उनका स्वागत किया।

तपरदा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

पुसौर। ग्राम पंचायत तपरदा में सरपंच दिनेश जांगड़े के खिलाफ सभी 17 पंचों ने एकजुट होकर अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया है। पंचों ने एसडीएम रायगढ़ के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अविश्वास की मांग की है। एसडीएम कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार सरपंच सहित कुल 18 जनप्रतिनिधियों को नोटिस तामील कराया गया है। यह सूचना ग्राम पंचायत सचिव ओंकार सिदार द्वारा संबंधितों तक पहुंचाई गई है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 22 जुलाई को पंचायत भवन तपरदा में विहित अधिकारियों की उपस्थिति में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होगा। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से पंचों द्वारा सरपंच की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे थे। इस दौरान पंचों और सरपंच के बीच मतभेद की स्थिति बनी। बताया जा रहा है कि विवाद को लेकर थाने में भी शिकायत दर्ज हुई थी। इन्हीं घटनाक्रमों के बीच अब मामला अविश्वास प्रस्ताव तक पहुंच गया। नियमानुसार 22 जुलाई को पंचायत भवन में सभी पंचों की उपस्थिति में विहित अधिकारी की देखरेख में अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बहुमत के आधार पर फैसला होगा। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अविश्वास प्रस्ताव सरपंच के पक्ष में जाता है या विपक्ष में।

यादव मोहल्ले में अधूरी नाली बनी चिंता का कारण

मानसून से पहले नहीं हुई नालियों की साफ-सफाई, जलभराव की बढ़ी आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंद्रपुर

नगर पंचायत चंद्रपुर में बारिश से पूर्व नालियों की सफाई नहीं होने से नगरवासियों की चिंता बढ़ गई है। नगर के कई वार्डों और प्रमुख स्थानों पर हर वर्ष जलभराव की समस्या देखने को मिलती है, वहीं इस बार समय रहते सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है।

ज्ञात रहे कि नगर के यादव मोहल्ले में अधूरी नाली निर्माण के कारण इस वर्ष जलभराव की समस्या और गंभीर होने की आशंका है। मानसून शुरू होने के बावजूद नाली निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में मोहल्ले में पानी भर जाता है वही नाली जाम होने से बरसात का पानी घरों में घुसता है, जिससे आवागमन और जनजीवन प्रभावित होता है। प्रशासन की लापरवाही पर मोहल्लेवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर के कई सार्वजनिक जगह चौक चौराहों में जैसे भारत माता चौक, चंद्रहासिनी मंदिर तिराहा, बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर के सामने सहित नगर के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या हर वर्ष सामने आती है। क्षेत्रवासियों ने नालियों की नियमित सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किए जाने की मांग की है। यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो पहली ही तेज बारिश चंद्रपुर की तैयारियों की पोल खोल सकती है। अब देखना यह होगा कि नगर पंचायत चंद्रपुर के अधिकारी और कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मानसून से पहले जागते है या फिर हर साल की तरह नागरिकों को जलभराव, गंदगी और परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

> नगर पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधि की उदासीनता के कारण मानसून पूर्व आवश्यक तैयारियां नहीं की गईं। यदि जल्द ही नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो नगरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या पर संबंधित अधिकारी तुरंत संज्ञान ले।
>
> **देवेश ठेठवार नगरवासी**

> इस गंभीर समस्या पर तत्काल जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी गण नालियों की सफाई कराए, अधूरे नाली निर्माण कार्य को पूरा किया जाए तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि बारिश के दौरान आम लोगों को राहत मिल सके।
>
> **राजू निषाद नगरवासी**

जमीन बचाने की जिद,किसान ने खाया जहर, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले के पुसौर विकासखंड अंतर्गत ग्राम लिंजीर में केलो सिंचाई परियोजना के तहत प्रस्तावित नहर निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। अपनी कृषि भूमि से नहर निकाले जाने का विरोध कर रहे एक किसान ने प्रशासनिक कार्रवाई के बीच कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। गंभीर अवस्था में उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां आईसीयू में उनका इलाज जारी है। अभी भी उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर अधिकारी इस संबंध में कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, लिंजीर निवासी किसान रविशंकर गुप्ता लंबे समय से अपनी खेती योग्य जमीन के बीच से प्रस्तावित नहर निर्माण का विरोध कर रहे थे। गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में निर्माण कार्य शुरू कराने की कार्रवाई की गई। इसी दौरान किसान और प्रशासन के बीच विवाद की स्थिति बन गई। परिजनों का कहना है कि किसान लगातार यह मांग कर रहे थे कि नहर का मार्ग उनकी उपजाऊ जमीन से न निकालकर आसपास उपलब्ध सरकारी भूमि से तय किया जाए। उनका आरोप है कि केलो परियोजना के लिए पूर्व में भी उनकी कई एकड़ भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है।

गांव में बढ़ा आक्रोश

घटना के बाद से लिंजीर गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि किसानों की आपत्तियों और समस्याओं का समाधान किए बिना निर्माण कार्य आगे बढ़ाने से असंतोष बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में संवेदनशीलता बरतने और प्रभावित किसानों से चर्चा कर समाधान निकालने की मांग की है।

वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन में दक्ष होंगे पुलिसकर्मी कंट्रोल रूम में विशेष प्रशिक्षण का आयोजन

- एनएएफआईएस और एम सी यू संचालन की दी गई जानकारी

रायगढ़। अपराधों की जांच को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में रायगढ़ पुलिस लगातार तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम रायगढ़ में प्रशिक्षु उप निरीक्षकों और जिले के विभिन्न थानों से चयनित पुलिसकर्मियों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के निर्देश और पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तकनीकों और साक्ष्य संकलन की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को घटनास्थल निरीक्षण, फिंगरप्रिंट संग्रहण, साक्ष्यों के संरक्षण, मिनी फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट के उपयोग तथा राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली यानी एनएएफआईएस में डाटा एंट्री की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही एमसीयू के माध्यम से आरोपियों के आईरिस और फोटोग्राफ संग्रहण की प्रक्रिया का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर बिलासपुर रेंज की संभागीय अंगुल चिन्ह विशेषज्ञ एवं उप पुलिस अधीक्षक विद्या जौहर अपनी टीम के साथ रायगढ़ पहुंचीं। उन्होंने फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट का प्रदर्शन कर प्रशिक्षणार्थियों को व्यवहारिक जानकारी दी तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन किया।प्रशिक्षण में गिरफ्तार आरोपियों के सर्च स्लिप तैयार करने, तकनीकी मानकों के अनुरूप फिंगरप्रिंट लेने और एनएएफआईएस डेटाबेस में त्रुटिरहित जानकारी दर्ज करने के तरीकों पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में जिला अपराध अभिलेख शाखा के प्रभारी सहायक उप निरीक्षक संदीप गायकवाड़, नेफिस यूजर प्रभात प्रधान तथा फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट सुबोध सागर और दिलीप लकड़ा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि आधुनिक अपराधों की प्रभावी जांच के लिए पुलिसकर्मियों का तकनीकी रूप से दक्ष होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण विवेचना के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया।

महाजेनको और अदाणी फाउंडेशन के सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) ने अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से मुड़ागांव और चितवाही जैसे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के कौशल विकास के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

खास बात

- 65 महिलाओं और किशोरियों को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण और रोजगार
- प्रशिक्षार्थियों के बीच एप्रन और सिलाई किट का भी वितरण

फ़िलहाल इस केंद्र में आसपास के क्षेत्रों की 65 महिलाएं और युवतियां सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दिन इन्हें सिलाई से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ प्रशिक्षण किट भी प्रदान किया गया, जिससे ये भविष्य में स्वरोजगार शुरू कर सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीप्ति गेसमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शैलेश एम. पड़ोल ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इससे वे अपने कौशल को विकसित कर बेहतर आजीविका के अवसर प्राप्त कर सकेंगी। विशिष्ट अतिथियों में डीबी खोबरागढ़े और चंद्रकांत एम. बाले सहित महाजेनको टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें मुड़ागाव से जहाज राम भगत, महेशराम सिन्हा, भारत सिन्हा, गुलाबी यादव, धमेंद्र महंत तथा चितवाही से गंगाराम पोरते (सरपंच), लक्ष्मी प्रसाद सिन्हा, नवीन शर्मा, घनश्याम साहू शामिल रहे। इसके अलावा अदाणी की ओर से क्लस्टर प्रमुख, सीएसआर प्रमुख, भू विभाग प्रमुख एवं सीएसआर टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययनरत सभी प्रशिक्षार्थियों को एप्रन एवं सिलाई किट का वितरण किया गया। यह पहल महिलाओं और किशोरियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे न केवल उनकी आजीविका के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होगा और वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

संकुल केन्द्र चांदमारी में आगामी सत्र संचालन हेतु बैठक

रायगढ़। विभागीय निर्देश अनुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांदमारी में संकुल प्राचार्य भरत लाल नामदेव की अध्यक्षता में संकुल शैक्षिक समन्वयक द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र के सुचारू रूप से संचालन, शाला प्रवेश उत्सव हेतु आवश्यक तैयारी के संबंध में आवश्यक बैठक ली गई। इस बैठक संकुल अंतर्गत सभी शासकीय शालाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संकुल प्राचार्य एवं शैक्षिक समन्वयक के निर्देश अनुसार पूरे उत्साह से भारत माता के जयघोष के साथ डॉ.मनीषा त्रिपाठी प्रधान पाठक शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला रायगढ़ ने बैठक में विद्यालय भवन, परिसर, शौचालय, रसोईघर की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, यूडाइस प्रोग्रेसन कार्य, शालेय रंगरोगन, स्कूल रेडीनेस, प्रवेश हेतु सर्वे कार्य, उल्लास नवभारत साक्षरता, शाला की वार्षिक कार्य योजना, कर्मयोगी आनलाइन प्रशिक्षण, निः शुल्क पाठ्य.पुस्तक एवं गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति, आय-जाति, निवास प्रमाण पत्र, शाला में शत प्रतिशत निमांकन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, अपार आईडी, प्रतियोगी परीक्षा एवं कैरियर मार्गदर्शन, शालाओं को प्राप्त संसाधनों का उचित उपयोग, सामुदायिक सहभागिता, एसएमसी एवं पीपीएम आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। संकुल प्राचार्य और शैक्षिक समन्वयक ने शाला में बेहतर सामंजस्य स्थापित कर शाला में शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखने एवं विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर प्रगति हेतु कार्य करने हेतु प्रेरित किया। शिक्षकों से शाला की समस्याओं हेतु आवश्यक सुझाव भी लिए गए। सभी को नए शैक्षणिक सत्र में बेहतर सौचालन हेतु अग्रिम शुभकामनाओं के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

एकताल रोड बना था स्टंट पॉइंट, पुलिस ने बढ़ाई निगरानी और पेट्रोलिंग

व्यूज और लाइक्स के लिए बाइक स्टंट, 5 युवकों पर चालानी कार्रवाई

रायगढ़। मेडिकल कॉलेज के पीछे एकताल रोड पर बाइक स्टंट कर सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने वाले युवकों के खिलाफ रायगढ़ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और पांच युवकों को पकड़कर उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, मेडिकल कॉलेज के पीछे पाइपलाइन कार्य के लिए समतल की गई भूमि पर कुछ युवक तेज रफ्तार बाइक चलाकर खतरनाक स्टंट कर रहे थे। इन स्टंट के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे थे, जिससे प्रभावित होकर बड़ी संख्या में अन्य युवक भी वहां पहुंचने लगे थे। पुलिस के मुताबिक इस गतिविधि से किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। मामले की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह और थाना प्रभारी चक्रधरनगर राकेश मिश्रा को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई, अवरोधक लगाए और नियमित पेट्रोलिंग शुरू की। पुलिस की सख्ती के बावजूद दोबारा पांच युवक स्टंट करने पहुंचे, जिन्हें पकड़कर एसएसपी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस दौरान एसएसपी ने युवकों को समझाइश देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता या अधिक व्यूज पाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं है। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की।

अवैध महुआ शराब जब्त

रायगढ़। शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने पुसौर क्षेत्र में छापेमार कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 6 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की है। कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

घुमन्तु बच्चों के पुनर्वास के लिए विभाग ने चलाया विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देश एवं कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू मार्गदर्शन में 1 जून से 30 जून तक सड़क जैसे परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे घुमन्तु बच्चों के स्थायी पुनर्वास हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को कोसीर, लेंधरा एवं बरमकेला क्षेत्र में संयुक्त बचाव दल रेस्क्यू टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बाल श्रमिक, अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृत्ति में लिप्त तथा सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें संरक्षण एवं पुनर्वास से जोड़ने की कार्रवाई की गई। रेस्क्यू टीम ने बस स्टैंड, मंदिर, बाजार, स्लम बस्तियों सहित विभिन्न चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षण एवं अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की पहल की गई। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, संरक्षण और सम्मानजनक भविष्य उपलब्ध कराना है।

साइक्लिंग से जुड़े सैकड़ों खिलाड़ी वंचित रह गए

अस्मिता साईक्लिंग लीग बनी खानापूर्ति, गिनती के दिखे प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

विश्व साइकिल दिवस पर पुसौर के रेशम उद्यान के सामने से ग्राम तडोला पहुंच मार्ग पर आयोजित अस्मिता साइक्लिंग लीग प्रचार के अभाव में केवल खानापूर्ति बनकर रह गई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी, विकासखंड खेल समन्वयक और स्थानीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में गिनती के प्रतिभागी ही दिखे।

विशाल बैनर और मंच तो सजाए पर मैदान खाली पड़ा रहा। कुछ बालिकाओं को प्रमाण पत्र थमाकर कार्यक्रम निपटा दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस कार्यक्रम के जिम्मेदारों ने आनन-फानन में आयोजन कर केवल कागजी औपचारिकता पूरी की। कार्यक्रम की सूचना न तो स्कूलों को दी गई, न खेल संघों को। नतीजा, साइक्लिंग से जुड़े सैकड़ों खिलाड़ी इससे वंचित रह गए। सूत्रों का कहना है कि जिम्मेदार ऐसे आयोजनों के आंकड़े शासन प्रमुखों के सामने प्रस्तुत कर अपनी पीठ थपथपवा लेते हैं, जबकि धरातल पर खेल से ही है पहचान का नारा दम तोड़ देता है। बिना भीड़, बिना प्रचार और बिना जोश के हुए इस आयोजन से खेलो इंडिया का उद्देश्य विफल होता नजर आया।